।। आपणै तो देव गुरू धर्म ।।

तर्ज : एक बार आओजी जवाँइजी

ताल : कहारवा..... सफेद - ४

आपणै तो देव गुरू धर्म रो आधार
करसी तीर्थंकर भव सुं पार वन्दन वन्दन है।।

रिषभ अजित सम्भव स्वामी
ज्यारा अभिनंदन । जगत्राण, वन्दन है।।१।।

सुमती, पदम, सुपार्श्व चन्दा
सुविधी शीतल, श्रेयांस जग भाण वन्दन वन्दन है ।।२।।

वासूपूज्य, श्री विमल अनंता
धर्म शान्ति, कुंथु भगवान, वन्दन वन्दन है ।।३।।

अर, मल्ली, श्री मुनिसुब्रत
नमो, नेमीनाथ गुणवान, वन्दन वन्दन है ।।४।।

ॐ पार्श्वनाथ, महावीर प्रभु (भगवान)
करस्यां प्रतिदिन, निर्मल ध्यान, वन्दन, वन्दन है ।।५।।

सांवरिया स्वामीजी म्हाने पार करसी
भक्ती वृंद रो, संघ महान, वन्दन वन्दन है।।६।।